M.A. 3rd Semester Examination, 2018

HINDI

PAPER – HIN-302

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* के उत्तर दीजिए : 12 × 2

(*क*) 'अंधेरनगरी' नाटक लोभ और भोग का आख्यान है, इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।

(*ख*) एकांकी कला के तत्वों के आधार पर 'तांबे के कीड़े' की समीक्षा कीजिए ।

(*ग*) 'आधे–अधूरे' के आधार पर महेन्द्रनाथ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(*Turn Over*)

(घ) 'स्कंदगुप्त' नाटक में इतिहास और कल्पना का मिश्रण है' इस कथन के आधार पर नाटक की समीक्षा कीजिए ।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं *दो* की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 8 × 2

(क) सांचे मारे मारे डाल । छली दुष्ट सिर चढ़ि चढ़ि बोलै ।।
प्रगट सभ्य अन्तर छलहारी । सोई राजसभा बलभारी ।।
साँच कहै ते पनही खावै । झूठे बहुविधि पदवी पावै ।।
छलियन के एका के आगे । लाख कहौ एकहु नहिं लागे ।।
भीतर होइ मलिन की कारो । चहिये बाहर रंग चटकारो ।।
धर्म अधर्म एक दरसाई । राजा करै सो न्याव सदाई ।।
भीतर स्वाहा बाहर सादे । राज करहिं अमले अरुप्यादे ।।
अंधाधुंध मच्यौ सब देसा । मानहुँ राजा रहत बिदेसा ।।

(ख) मुझे उस असलियत की बात करने दीजिए जिसे मैं जानती हूँ। ... एक आदमी है । घर बसाता है । क्यों बसाता है ? एक जरूरत पूरी करने के लिए । कौन सी जरूरतें ? अपने अंदर से किसी उसको .... एक अधूरापन कह दीजिए उसे ... उसको भर सकने की । इस तरह उसे अपने लिए .... अपने में पूरा होना होता है । किन्हीं दूसरों के पूरा करते रहने में ही जिंदगी नहीं काटनी होती । पर आपके महेन्द्र के लिए जिंदगी का मतलब रहा है ...... जैसे सिर्फ दूसरों के खाली खाने भरने की ही चीज है वह ।'

(ग) मैं खुद भी एक मजदूर हूँ
मैं खुद भी एक किसान हूँ
मेरा पूरा जिस्म दर्द की तस्वीर है
मेरी रग-रग में नफरत की आग भरी है
और तुम कितनी बेशर्मी से कहते हो
कि मेरी भूख एक भ्रम है
और मेरा नंगापन एक ख्वाब ।

(घ) अब मुझे कह लेने दीजिए, बाबूजी ! .... ये जो महाशय मेरे खरीदार बनकर आए हैं, इनसे जरा पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होता ? क्या उनको चोट नहीं लगती ? क्या वे बेबस भेड़-बकरियाँ हैं, जिन्हें कसाई अच्छी तरह देख-भालकर खरीदते हैं ?